ISSN: 0971-7447 (Print)
ISSN: 2455-6815 (Online)

Call for articles in the next issue of ENVIS Newsletter

The natural ecosystems support all life on Earth. The healthier our ecosystems are, the healthier the planet - and its people. The UN decade (2021-2030) on ecosystem restoration aims to prevent, halt and reverse the degradation of ecosystems on every continent and in every ocean. It can help to end poverty, combat climate change and prevent a mass extinction. It will only succeed if everyone plays a part. Restoration ecology fosters the exchange of ideas among the many disciplines involved in the process of ecological restoration.

In view of the above ENVIS Centre on Himalayan Ecology is inviting contributions for special issue from researchers, policy maker and nature lovers to identify and fill existing knowledge gaps to provide an article/ short note on the ***Rehabilitation of Natural Ecosystem; agricultural land, forests, mine spoils, water bodies like; rivers, springs etc.*** this special issue will significantly advance ecological understanding of how when and where ecological restoration need to be applied for balancing the natural ecosystem.

A two-page article (1200 words and less than 4-5 references) written in popular Hindi /English language with supporting photo/ chart/ data table is requested. The manuscripts submitted by the author(s) will be edited for length and clarity as per the standard norms of the ENVIS Newsletter.

Articles should be submitted by December 31, 2022.
E-mail manuscript (.doc) to: gbpihed@envis.nic.in
Further details to prepare the article are available at: http://gbpihedenvis.nic.in/Envis_newsletter

Copyright © 2022 ENVIS Newsletter Himalayan Ecology. All rights reserved.

ENVIS Centre on Himalayan Ecology
G.B. Pant National Institute of Himalayan Environment,
Kosi-Katarmal, Almora, Uttarakhand

ISSN: 0971-7447 (Print)
ISSN: 2455-6815 (Online)

इनविस पत्रिका के अगले अंक हेतु लेखों के आमंत्रण के सम्बंध में।

प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों को बढ़ावा देने का समर्थन करता हैं। हमारा पारिस्थितिकी तंत्र जितना स्वस्थ होगा, ग्रह और उसके लोग उतने ही अधिक स्वस्थ होंगे। पारिस्थितिक तंत्र की बहाली पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक दशक (2021–2030) का उद्देश्य हर महाद्वीप और हर महासागर में पारिस्थितिक तंत्र के क्षरण को न सिर्फ रोकना है, बल्कि क्षरण हुए पारिस्थितिक तंत्र की पुर्नबहाली करना भी है। यह गरीबी को समाप्त करने, जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और बड़े पैमाने पर विलुप्त होने वाली जैवविविधता को रोकने में मदद कर सकता है। यह तभी सफल होगा जब सब मिलकर अपनी–अपनी भूमिका निभाएंगे। पारिस्थितिकी पुर्नबहाली की प्रक्रिया में शामिल कई विषयों द्वारा विचारों के आदान–प्रदान को बढ़ावा मिलता है।

उपरोक्त के मद्देनजर हिमालयी पारिस्थितिकी पर आधारित सूचना केंद्र द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्वास पर लेखों/संक्षिप्त नोट आमंत्रित किये जा रहे है। जिसमें शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और प्रकृति प्रेमियों से निवेदन है कि इस महत्वपूर्ण विषयों जैसे **पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्वास, कृषि, भूमि, जंगल, खदानों की पुर्नबहाली, जल निकाय जैसे–नदियों, झरनों आदि**। पर अपना विस्तृत लेख लोकप्रिय हिंदी/अंग्रेजी भाषा में निर्धारित (1200 शब्द और 4–5 संदर्भ से कम) का लेख जिसमें फोटो/चार्ट/डेटा तालिका के साथ हमें दिये गये ई–मेल पर भेजने का कष्ट करें। इन लेखों को इनविस पत्रिका के मानदंडों के अनुसार आगामी अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

y[k tek djus dh vfre frfFk% 31 fnlEcj 2022A

b&ey% gbpihed@envis.nic.in

vf/kd tkudkjh gsrq: http://gbpihedenvis.nic.in/Envis_newsletter

हिमालयी पारिस्थितिकी आधारित सूचना केंद्र
गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान,
कोसी–कटारमल, अल्मोड़ा